Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **2**

AFMA–104

M.A. (Final) Examination, 2023

HINDI

Paper - IV **(क)**

(सूर)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) सूर काव्य के प्रमुख रस का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

   (ii) सूरदास जी की रचनाओं के नाम बताइए।

(iii) पुष्टि का अर्थ बताते हुए पुष्टिमार्ग में वर्णित जीवों के प्रकार बताइए।

(iv) ''सूर वात्सल्य का कोना-कोना झाँक आए हैं।'' वाक्य किसने व क्यों कहा ?

(v) सूर ने मन को 'जहाज का पंछी' क्यों कहा है ?

(vi) गीतिकाव्य की **पाँच** विशेषताएँ बताइए।

(vii) सूरकाव्य में वर्णित रूपक अलंकार के **दो** उदाहरण दीजिए।

(viii) सूर का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(ix) अष्टछाप के कवियों के नाम बताइए।

(x) सूर की भक्ति किसके प्रति और किस भाव की है ?

खण्ड–ब

2. कृष्ण काव्य परम्परा में सूर का महत्त्व निरूपण कीजिए।

3. सूर द्वारा वर्णित कृष्ण बाल लीलाओं की विशेषताएँ बताइए।

4. सूर काव्य की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

5. सूर की 'भक्ति भावना' का वर्णन कीजिए।

6. सूर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालिए।

7. सूर के विरह वर्णन की विशेषताएँ बताइए।

8. सूर काव्य में प्रेम निरूपण पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–स

9. अष्टछाप के कवियों में सूर का स्थान निर्धारित कीजिए।

10. सूर साहित्य का रीतिकालीन काव्य पर क्या प्रभाव पड़ा ?

11. सूर की सहृदयता और वाग्विदग्धता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

12. सूर के काव्य सौष्ठव की विशेषताएँ बताइए।